

ग्रामगीता महाविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय सूक्ष्मजीव दिवस उत्साहपूर्वक मनाया

पोस्टर प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने दिखाई वैज्ञानिक सोच और रचनात्मकता

संवाददाता, विदर्भ को दहाड
चिमूर, १९ सितंबर- ग्रामगीता
महाविद्यालय, चिमूर के
सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग की
ओर से अंतरराष्ट्रीय सूक्ष्मजीव
दिवस उत्साहपूर्वक मनाया
गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों
के लिए पोस्टर प्रतियोगिता का
आयोजन किया गया। सूक्ष्मजीवों
के मानव जीवन, पर्यावरण, कृषि
एवं चिकित्सा क्षेत्र में महत्व से
विद्यार्थियों को अवगत करना
तथा उनमें वैज्ञानिक दृष्टिकोण
और रचनात्मकता को बढ़ावा देना
कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य रहा।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप
प्रज्वलन से हुआ। इसके बाद
सूक्ष्मजीवों के दैनिक जीवन में
महत्व की जानकारी दी गई।



कार्यक्रम की अध्यक्षता
महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ.
सुनंदा आस्वले ने की। उन्होंने
कहा कि सूक्ष्मजीव आंखों से
दिखाई नहीं देते, लेकिन
पर्यावरणीय संतुलन, खाद्य
उत्पादन, औषधि निर्माण तथा
विभिन्न जैव प्रौद्योगिकी प्रक्रियाओं
में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है।
उन्होंने विद्यार्थियों से ऐसे उपक्रमों
के माध्यम से वैज्ञानिक दृष्टिकोण

विकसित करने का आह्वान
किया। कार्यक्रम के प्रमुख
अतिथि डॉ. रंजित चांदेकर ने
सूक्ष्मजीव विज्ञान में हो रहे
आधुनिक अनुसंधान, रोग के
अवसरों तथा भविष्य की चुनौतियों
पर विद्यार्थियों का मार्गदर्शन
किया। उन्होंने सूक्ष्मजीवों की
सहायता से पर्यावरण अनुकूल
ऊर्जा उत्पादन की संभावनाओं का
उदाहरण देते हुए आधुनिक विज्ञान

एवं अनुसंधान में
सूक्ष्मजीव विज्ञान के महत्व
को स्पष्ट किया।
विद्यार्थियों द्वारा पूछे गए
विभिन्न प्रश्नों के उन्होंने
उत्तर दिए। कार्यक्रम का
प्रमुख आकर्षण रही पोस्टर
प्रतियोगिता में विद्यार्थियों
ने उत्साहपूर्वक सहभागिता किया।
विद्यार्थियों ने सूक्ष्मजीवों के प्रकार,
उनके उपयोग एवं अनिकारक
पहलुओं, मानव स्वास्थ्य में उनकी
भूमिका तथा पर्यावरण संरक्षण में
योगदान जैसे विभिन्न विषयों पर
जानकारीपूर्ण एवं आकर्षक पोस्टर
प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का
संचालन डॉ. युवराज बोधे ने
किया। उन्होंने विभिन्न सत्रों का
व्यवस्थित संचालन किया।